

2015-16 के दौरान निजी कॉर्पोरेट कारोबार क्षेत्र का कार्यनिष्पादन*

मांग कमजोर होने के कारण समग्र स्तर पर तथा विनिर्माण क्षेत्र -दोनों में लगातार तीन वर्षों तक बिक्री की वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) में तेजी से गिरावट आने के बाद 2015-16 में निजी (गैर-वित्तीय) कॉर्पोरेट कारोबारी क्षेत्र की बिक्री में कमी आई। हालांकि, 'पेट्रोलियम उत्पादों' तथा 'लोहा एवं इस्पात' कंपनियों को छोड़कर शेष कंपनियों की समग्र बिक्री में वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) धनात्मक रही, किंतु यह 2014-15 में वृद्धि की तुलना में कम ही रही। विगत दो वर्षों में 'पेट्रोलियम उत्पाद' उद्योग की वृद्धि में तेजी से गिरावट आई। इसकी शुरुआत तेल के वैश्विक मूल्यों में कमी आने से हुई। किंतु इस उद्योग के परिचालनगत लाभ तथा सांकेतिक सकल योजित मूल्य (जीवीए)¹ वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) में 2015-16 में पिछले वर्ष की तुलना में काफी सुधार आया। समग्र रूप से, विनिर्माण क्षेत्र के परिचालनगत लाभ में वृद्धि भी बेहतर रही, जिसका मुख्य कारण कच्चे माल पर होने वाले व्यय में कमी होना रहा। किंतु, 2015-16 में 'लोहा एवं इस्पात' कंपनियों का कार्यनिष्पादन चिंता का मुख्य विषय बना हुआ है क्योंकि 2014-15 की तुलना में सांकेतिक जीवीए तथा परिचालनगत लाभ में तेजी से गिरावट आई और साथ ही बिक्री में बहुत तेजी से मंदी आई। कमजोर कंपनियों द्वारा उधार लिए जाने में काफी वृद्धि होने के कारण हाल के वर्षों में 'लोहा एवं इस्पात' उद्योग का रिस्क प्रोफाइल बिगड़ा। शेष कमजोर विनिर्माण कंपनियों के रिस्क प्रोफाइल में काफी सुधार हुआ।

सकारात्मक पहलू देखा जाए तो, 2015-16 में बिक्री की तुलना में कच्चे माल की लागत (सीआरएम) का अनुपात पिछले पंद्रह वर्षों में न्यूनतम था। दूसरी ओर, समान अवधि के लिए बिक्री की तुलना में स्टॉफ की लागत का अनुपात सर्वाधिक था, जिसके अंतर्गत सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में तेजी से वृद्धि हुई। विनिर्माण उद्योगों के बीच, हाल के वर्षों में 'मोटर गाड़ियों तथा यातायात के अन्य उपस्करों' तथा 'फर्मासूटिकल्स

* यह लेख कॉर्पोरेट अध्ययन प्रभाग, सांख्यिकी एवं सूचना प्रबंध विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक में तैयार किया गया। '2014-15 के दौरान निजी कॉर्पोरेट कारोबार क्षेत्र का कार्यनिष्पादन' शीर्षक के अंतर्गत पिछला अध्ययन भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन के अक्टूबर 2015 अंक में प्रकाशित किया गया था।

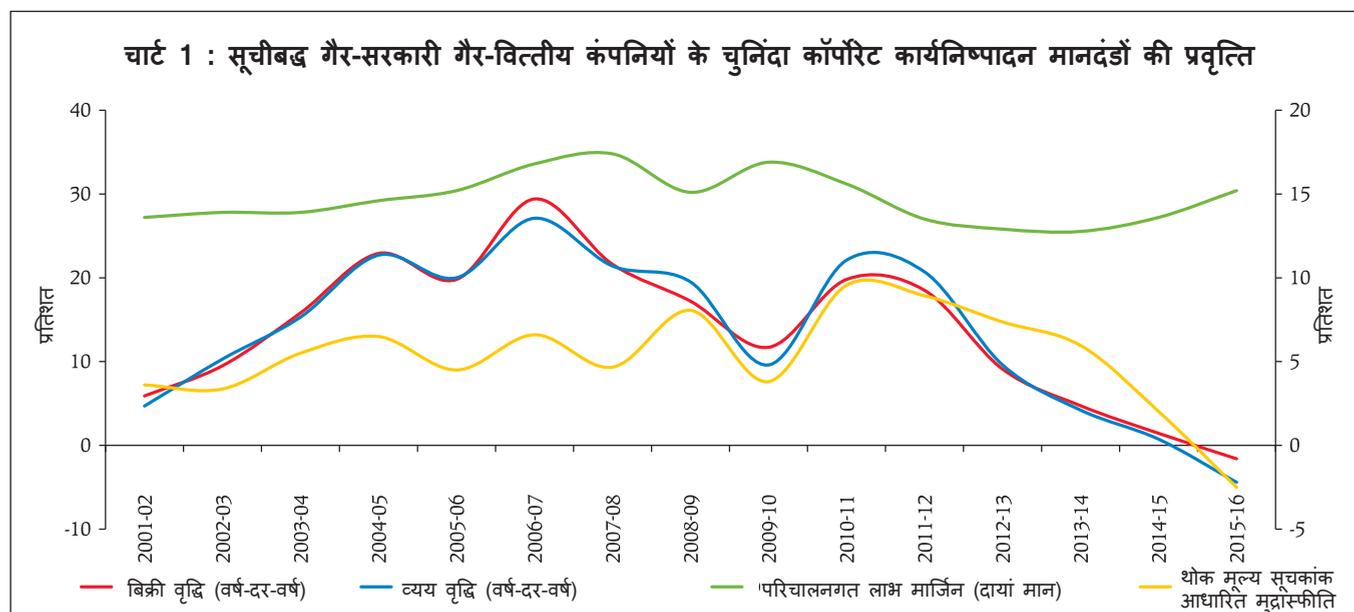
¹ सकल योजित मूल्य (जीवीए) की गणना कर पूर्व कमाई, ब्याज, मूल्यहास एवं स्टॉफ की लागत के योग के रूप में की गई है।

एवं औषधि' क्षेत्रों का कार्यनिष्पादन बेहतर रहा। 2015-16 में आईटी क्षेत्र में बहाली हुई और पिछले दो वर्षों में गैर-आईटी क्षेत्र बहाली के पथ पर अग्रसर रहा। तिमाही परिणामों के आधार पर देखा जाए तो लगातार चार तिमाहियों में कमी रहने के बाद 2015-16 की चौथी तिमाही (ति 4) में बिक्री में वृद्धि की दृष्टि से मांग की स्थिति पुनः प्राप्त हुई। परिचालनगत लाभ वृद्धि भी विगत आठ तिमाहियों में सर्वाधिक रही। आगामी तिमाहियों में मांग की स्थिति में सुधार होना निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र की लाभप्रदता का मुख्य बिंदु होगा, क्योंकि कच्चे माल पर अपेक्षाकृत कम व्यय होने की स्थिति में आगे चलकर बदलाव हो सकता है।

इस लेख में, 2015-16 के दौरान निजी (गैर-वित्तीय) कॉर्पोरेट कारोबारी क्षेत्र के कार्यनिष्पादन का विश्लेषण 2,932 सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों की आय के परिणामों के आधार पर किया गया है। प्रमुख कार्यनिष्पादन मानकों की प्रवृत्ति के विश्लेषण के लिए 2015-16 में कार्यनिष्पादन के साथ में, अपेक्षाकृत दीर्घ समयवधि को भी ध्यान में रखा गया है। इस लेख में, समग्र कार्यनिष्पादन का विश्लेषण करने के साथ ही साथ आकार-वार तथा प्रमुख उद्योग समूह-वार संक्षिप्त विश्लेषण भी किया गया है। यह विश्लेषण, प्राथमिक रूप से समान कंपनियों के समूह से संबंधित विभिन्न अनुपातों एवं वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दरों पर आधारित है, जिनकी गणना कंपनियों के लाभ एवं हानि विवरणों तथा तुलन-पत्रों के आधार पर की गई है। चुनिंदा नकदी प्रवाह विवरणों, यथा उपलब्ध, को भी गणना में शामिल किया गया है। सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों से संबंधित 2015-16 के लाभ एवं हानि विवरणों के अनुरूप विस्तृत आंकड़े बैंक की वेबसाइट https://rbil.org.in/scripts/Pr_DataRelease.aspx?SecionID=360&DateFilter=Year पर उपलब्ध है। व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ एवं शब्दावली उक्त डाटा रिलीज के हिस्से के रूप में उपलब्ध कराई गई हैं।

1. समग्र बिक्री में कमी हुई किंतु परिचालनगत लाभ वृद्धि में सुधार हुआ

1.1 2015-16 के दौरान निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र के कार्यनिष्पादन पर पण्य के वैश्विक मूल्यों में गिरावट का बहुत अधिक प्रभाव पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप विगत पंद्रह वर्षों में पहली बार बिक्री में वर्ष-दर-वर्ष गिरावट 1.6 प्रतिशत हो गई। 2015-16 में बिक्री की यह गिरावट, पिछले तीन वर्षों में बिक्री की वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) में तीव्र मंदी के बाद आई। हालांकि, उत्पादन



मूल्य (2.4 प्रतिशत) की तुलना में कुल व्यय में वर्ष-दर-वर्ष कमी अधिक होने (4.4 प्रतिशत) से 2015-16 में परिचालनगत लाभ मार्जिन 15.2 प्रतिशत हुआ, जो 2011-12 के बाद का

सर्वाधिक आंकड़ा है (चार्ट 1)। 2015-16 में कच्चे माल एवं ऊर्जा तथा ईंधन पर होने वाले व्यय में तीव्र कमी आई, जिसके कारण कुल व्यय में गिरावट आई (सारणी 1)। इसके विपरीत,

सारणी 1 : सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों का कार्यनिष्पादन

अवधि	सभी कंपनियां			'पेट्रोलियन उत्पादों' तथा 'लोहा एवं इस्पात' को छोड़कर		
	2014-15	2015-16		2014-15	2015-16	
कंपनियों की संख्या	2,925	2,932		2,751	2,750	
मदें	वर्ष-दर-वर्ष प्रतिशत वृद्धि	राशि (₹ बिलियन)	वर्ष-दर-वर्ष प्रतिशत वृद्धि	वर्ष-दर-वर्ष प्रतिशत वृद्धि	राशि (₹ बिलियन)	वर्ष-दर-वर्ष प्रतिशत वृद्धि
	1	2	3	4	5	6
बिक्री	1.4	29,898	-1.6	4.8	25,409	2.9
उत्पादन का मूल्य	1.3	29,814	-2.4	4.6	25,413	2.3
सकल योजित मूल्य (जीवीए)	8.0	8,368	9.7	8.8	7,440	11.2
व्यय	0.7	25,269	-4.4	4.3	21,494	0.5
कच्चे माल की लागत	-3.4	11,726	-12.4	3.9	9,149	-4.6
स्टाफ की लागत	10.5	2,905	13.1	10.2	2,743	13.5
ऊर्जा और ईंधन	5.1	1,051	-7.1	5.2	926	-8.4
परिचालनगत लाभ	5.3	4,545	10.2	6.2	3,919	13.2
अन्य आय	14.0	918	-2.4	16.7	778	-4.0
ईबीआईटीडीए	6.8	5,463	7.9	8.0	4,698	10.0
मूल्यहास	5.1	1,226	5.0	6.2	1,016	6.0
सकल लाभ (ईबीआईटी)	7.3	4,238	8.8	8.5	3,682	11.1
ब्याज	4.4	1,310	5.0	4.0	1,065	2.4
कर पूर्व आय (ईबीटी)	8.8	2,927	10.5	10.6	2,617	15.1
कर प्रावधान	25.3	779	2.2	32.9	709	6.5
निवल लाभ	-0.7	1,966	9.3	-0.1	1,812	18.4
चुक्ता पूंजी	2.8	1,457	4.7	3.1	1,289	4.8

सारणी 2 : सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों के महत्वपूर्ण कार्यनिष्पादन मानदंड

(प्रतिशत)

अवधि	कंपनियों की संख्या	बिक्री वृद्धि	जीवीए वृद्धि	व्यय वृद्धि	परिचालनगत लाभ वृद्धि	निवल लाभ वृद्धि	परिचालनगत लाभ मार्जिन	निवल लाभ मार्जिन
	1	2	3	4	5	6	7	8
2009-10	2,629	11.7	19.2	9.6	26.6	28.8	16.9	9.4
2010-11	2,763	19.8	13.5	22.1	12.4	15.8	15.6	9.0
2011-12	2,679	18.5	9.1	20.7	1.7	-16.8	13.5	6.4
2012-13	2,931	9.1	8.0	9.6	3.5	-2.0	12.9	5.9
2013-14	2,854	4.7	6.6	4.2	2.3	-5.1	12.8	5.8
2014-15	2,925	1.4	8.0	0.7	5.3	-0.7	13.6	5.9
2015-16	2,932	-1.6	9.7	-4.4	10.2	9.3	15.2	6.6

स्टॉफ की लागत में वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) हुई और पिछले दो वर्षों में कमी होने के बाद 2015-16 में बढ़कर यह 13.1 प्रतिशत हो गई।

1.2 2015-16 में कच्चे माल पर होने वाले व्यय में कमी होने से सांकेतिक जीवीए की वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) में सुधार होने में मदद मिली। निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र की निवल लाभ वृद्धि में चार निरंतर वर्षों तक कमी होने के बाद सुधार हुआ, जिसका मुख्य कारण परिचालनगत लाभ का उच्च स्तर पर होना एवं कर प्रावधानों में कमी होना रहा (सारणी 1 एवं 2)। परिचालनगत लाभ मार्जिन के रूप में लाभप्रदता में 2015-16 में पिछले वर्ष की तुलना में काफी सुधार हुआ। निवल लाभ मार्जिन में भी 2012-13 से 2014-15 तक दायराबद्ध रहने के बाद सुधार के संकेत मिले (सारणी 2)।

1.3 'पेट्रोलिम उत्पादों' तथा 'लोहा एवं इस्पात' कंपनियों को छोड़ दिया जाए तो 2015-16 में शेष कंपनियों की बिक्री वृद्धि घटकर 2.9 प्रतिशत रह गई जो पिछले वर्ष 4.8 प्रतिशत थी (सारणी 1)। 'पेट्रोलियम उत्पादों' तथा 'लोहा एवं इस्पात' उद्योगों के कार्यनिष्पादन का विस्तृत विवरण अनुच्छेद 4 में दिया गया है।

2. सभी आकार श्रेणियों की बिक्री में कमी

2.1 सूचीबद्ध कंपनियों को संबंधित वर्ष में उनकी बिक्री के अनुसार तीन आकार समूहों में वर्गीकृत किया गया है। जिन कंपनियों की बिक्री ₹10 बिलियन से अधिक, ₹1 बिलियन से ₹10 बिलियन के बीच और ₹1 बिलियन से कम हो, उनको क्रमशः बड़े, मध्यम और छोटे समूहों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

2.2 बड़ी कंपनियों की बिक्री सात वर्षों में पहली बार कम हुई। हालांकि, उनके परिचालनगत लाभ में पिछले वर्ष की तुलना में

काफी सुधार हुआ और यह 2010-11 से देखे गए उच्चतम स्तर पर रहा। परिचालनगत लाभ वृद्धि में अधिकता मुख्य रूप से पण्य मूल्यों में गिरावट होने के कारण हुई। बड़ी कंपनियों के निवल लाभ वृद्धि में भी लगातार तीन वर्षों तक सुधार हुआ। परिचालनगत लाभ मार्जिन छह-वर्षों के सर्वाधिक 16.4 प्रतिशत के स्तर पर रहा जबकि निवल लाभ मार्जिन पांच-वर्षों के उच्चतम 8.2 प्रतिशत के स्तर पर रहा (सारणी 3)।

2.3 मध्यम आकार वाली कंपनियों की बिक्री में भी कमी आई और परिचालनगत लाभ में सुधार हुआ, किंतु उनके निवल लाभ में कमी आई। मध्यम आकार वाली कंपनियों से संबंधित परिचालनगत लाभ मार्जिन में भी कुछ सुधार हुआ (सारणी 3)।

2.4 समग्र रूप से, छोटे आकार वाली कंपनियों में सुधार के कोई संकेत नजर नहीं आए। तथापि, यह नोट किया जा सकता है कि वर्गीकरण की प्रणाली (जिसका उल्लेख अनुच्छेद 2.1 में किया गया है) ने छोटे आकार वाली कंपनियों की बिक्री वृद्धि में गिरावट का पूर्वाग्रह उत्पन्न हुआ है क्योंकि जब बिक्री में कमी होती है तो कंपनियां अपेक्षाकृत छोटे आकार वाले समूह में चली जाती हैं और जब बिक्री में वृद्धि होती है तो कंपनियां अपेक्षाकृत बड़े आकार समूह में चली जाती हैं। उदाहरण के लिए 2015-16 में छोटी कंपनियों के रूप में वर्गीकृत अड़सठ कंपनियां, 2014-15 में मध्यम कंपनियों के रूप में वर्गीकृत थीं। अन्य उनकास कंपनियों की बात की जाए, जो 2014-15 में छोटी कंपनियों के रूप में वर्गीकृत थीं वे 2015-16 में मध्यम कंपनियों के रूप में वर्गीकृत की गईं। इस तरह से वर्गीकरण के दौरान समूह परिवर्तन देखने वाली कंपनियों को छोड़कर भी, 2015-16 में बिक्री वृद्धि तथा निवल लाभ मार्जिन की दृष्टि से छोटी कंपनियों के कार्यनिष्पादन में 2014-15 की तुलना में गिरावट आई।

सारणी 3 : सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों के आकार श्रेणी-वार कार्यनिष्पादन मानदंड

(प्रतिशत)

अवधि	बड़ा					मध्यम					लघु				
	बिक्री वृद्धि	परिचालनगत लाभ वृद्धि	निवल लाभ वृद्धि	परिचालनगत लाभ वृद्धि	निवल लाभ मार्जिन	बिक्री वृद्धि	परिचालनगत लाभ वृद्धि	निवल लाभ वृद्धि	परिचालनगत लाभ वृद्धि	निवल लाभ मार्जिन	बिक्री वृद्धि	परिचालनगत लाभ वृद्धि	निवल लाभ वृद्धि	परिचालनगत लाभ वृद्धि	निवल लाभ मार्जिन
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
2009-10	13.0	27.1	26.4	17.6	10.2	9.6	25.0	45.7	14.7	6.5	-8.8	12.4	42.7	9.2	3.5
2010-11	20.6	13.3	18.1	16.2	9.8	19.1	7.5	4.1	13.2	5.6	-4.4	2.2	-70.4	8.7	1.1
2011-12	20.8	3.7	-15.0	14.0	7.0	9.5	-9.5	-34.6	11.1	3.4	-9.2	-23.6	125.7	6.3	1.2
2012-13	10.7	4.0	3.2	13.3	6.8	1.5	0.7	-62.1	10.5	1.3	-9.3	-14.4	\$	5.4	-4.7
2013-14	6.0	5.2	0.2	13.4	6.8	1.0	-15.1	-77.3	9.6	0.6	-26.3	-58.2	\$	3.2	-11.9
2014-15	2.3	6.3	3.0	14.5	7.1	-2.8	0.3	@	8.6	-0.8	-15.6	@	\$	-1.7	-17.6
2015-16	-1.2	10.6	7.8	16.4	8.2	-1.8	12.6	\$	9.4	-0.5	-19.6	\$	\$	-7.1	-33.6

@ : हर नगण्य है।

\$: हर ऋणात्मक है।

3.1 क्षेत्रगत दृश्य - कमजोर विनिर्माण कंपनियों का रिस्क प्रोफाइल बिगड़ा

3.1 2015-16 में विनिर्माण क्षेत्र की बिक्री में कमी आई, किंतु इस क्षेत्र में हाल के अतीत की तुलना में वर्तमान वर्ष में परिचालनगत लाभ तथा सांकेतिक जीवीए में सर्वाधिक वृद्धि हुई। विनिर्माण क्षेत्र में, निरंतर दो वर्षों तक कमी होने के बाद, 2015-16 में निवल लाभ वृद्धि में काफी सुधार हुआ। लाभ मार्जिन में भी पिछले वर्ष की तुलना में 2015-16 में सुधार हुआ। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में बिक्री, सांकेतिक जीवीए एवं परिचालनगत लाभ वृद्धि में, 2014-15 में कमी होने के बाद,

सुधार आया। हालांकि, इस क्षेत्र का कार्यनिष्पादन अभी 2010-11 से 2013-14 के दौरान रहे स्तर के तुल्य नहीं हो पाया है। सूचना प्रौद्योगिकी से इतर क्षेत्र की बिक्री वृद्धि, 2013-14 में काफी कम होने के बाद, बहाल हो रही है। इस क्षेत्र के लाभ मार्जिन में उल्लेखनीय सुधार हुआ (सारणी 4)।

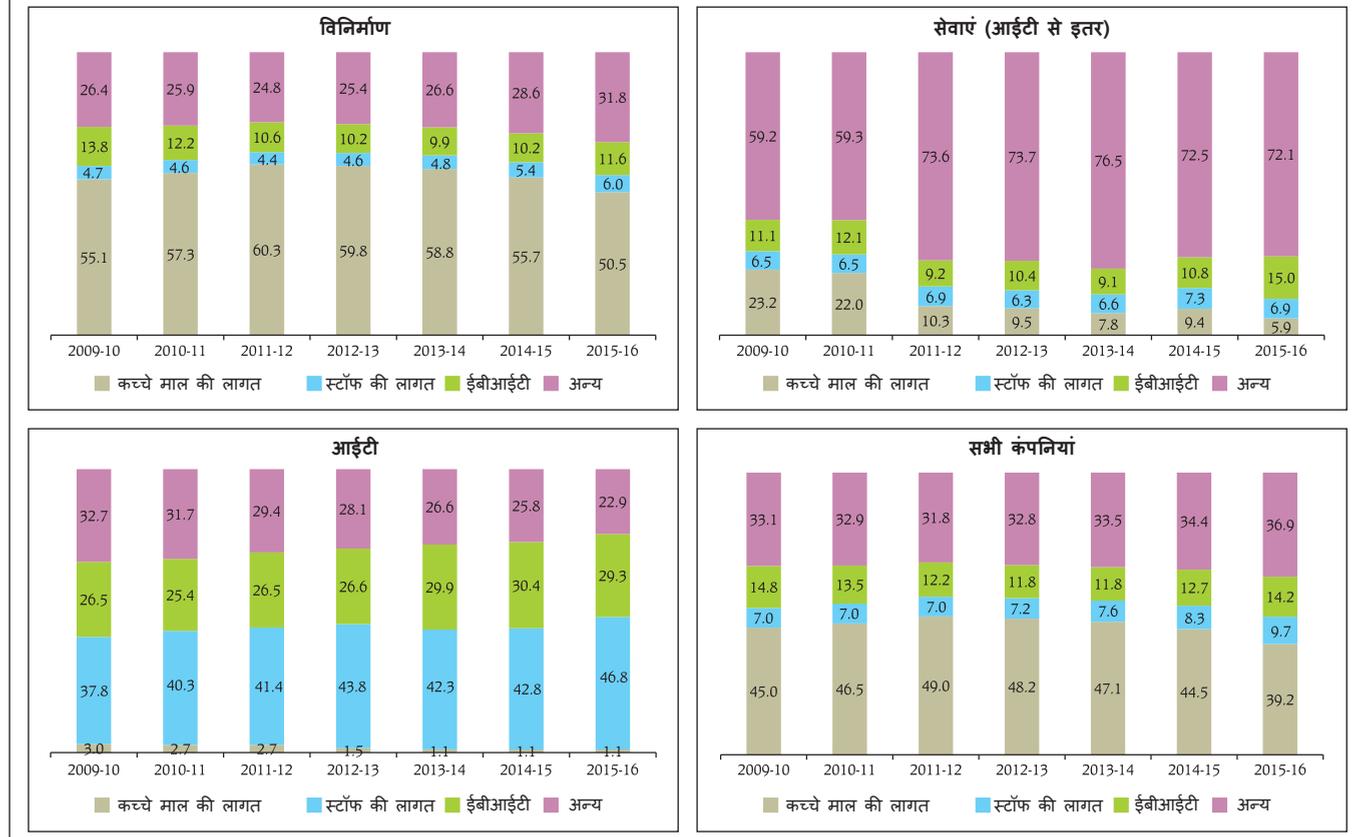
3.2 निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र के व्यय के प्रमुख प्रभागों के विश्लेषण से पता चला कि 2015-16 में समग्र स्तर पर, बिक्री की तुलना में कच्चे माल की लागत में और कमी आई, जिसमें 2012-13 से कमी का रुझान था। दूसरी तरफ, बिक्री अनुपात की तुलना में स्टॉफ की लागत में लगातार चौथे वर्ष वृद्धि

सारणी 4 : सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों के क्षेत्र-वार कार्यनिष्पादन मानदंड

(प्रतिशत)

अवधि	विनिर्माण						सेवाएं (आईटी से इतर)						आईटी					
	बिक्री वृद्धि	जीवीए वृद्धि	परिचालनगत लाभ वृद्धि	निवल लाभ वृद्धि	परिचालनगत लाभ मार्जिन	निवल लाभ मार्जिन	बिक्री वृद्धि	जीवीए वृद्धि	परिचालनगत लाभ वृद्धि	निवल लाभ वृद्धि	परिचालनगत लाभ मार्जिन	निवल लाभ मार्जिन	बिक्री वृद्धि	जीवीए वृद्धि	परिचालनगत लाभ वृद्धि	निवल लाभ वृद्धि	परिचालनगत लाभ मार्जिन	निवल लाभ मार्जिन
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
2009-10	12.9	30.0	33.1	44.2	15.8	8.5	3.6	-8.3	-1.8	-42.5	13.7	4.7	5.6	13.2	18.9	18.0	27.5	21.4
2010-11	22.4	17.5	11.7	20.0	14.3	8.2	8.5	21.9	17.6	25.3	14.3	5.4	16.9	23.1	13.5	14.4	25.8	19.8
2011-12	18.7	10.8	-0.1	-22.1	11.9	5.4	15.3	5.2	-3.9	-48.0	12.4	2.1	21.8	29.1	16.1	23.0	24.7	20.1
2012-13	8.8	7.4	2.7	2.2	11.3	5.3	11.5	7.7	11.0	-36.1	12.8	1.4	14.0	20.5	18.3	8.9	25.4	19.3
2013-14	4.2	4.2	0.0	-7.1	10.9	4.9	2.6	-4.1	-15.4	-71.7	11.6	1.2	20.4	25.8	29.1	25.7	28.2	21.1
2014-15	0.4	5.2	3.3	-7.8	11.5	4.5	3.7	22.4	38.1	\$	13.6	2.7	10.7	14.8	6.6	8.1	26.8	21.3
2015-16	-3.7	7.8	9.6	12.6	13.0	5.3	4.9	17.3	21.9	-16.9	21.0	5.0	11.3	19.5	11.9	14.5	26.6	22.5

चार्ट 2 : सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों की बिक्री के प्रतिशत के रूप में व्यय एवं ईबीआईटी के घटक



जारी रही (चार्ट 2)। 2015-16 में बिक्री की तुलना में कच्चे माल की लागत और बिक्री की तुलना में स्टॉफ की लागत के अनुपात विगत पंद्रह वर्षों के अपने क्रमशः न्यूनतम और उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। विनिर्माण क्षेत्र से संबंधित बिक्री की तुलना में कच्चे माल की लागत के अनुपात में 2011-12 से जारी कमी का रुझान जारी रहा। 2015-16 में इसमें विशेष कमी देखी गई। किंतु बिक्री की तुलना में स्टॉफ की लागत में लगातार चौथे वर्ष वृद्धि हुई। सूचना प्रौद्योगिकी से इतर सेवा क्षेत्र में 2015-16 में, पिछले वर्ष की तुलना में बिक्री की तुलना में कच्चे माल की लागत और स्टॉफ की लागत -दोनों में गिरावट आई। 2015-16 में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के बिक्री की तुलना में स्टॉफ लागत अनुपात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई (चार्ट 2)।

3.3 कमजोर कंपनियों के समूह, अर्थात् वे कंपनियां जिनका कर्ज-इक्विटी अनुपात 200 प्रतिशत से अधिक हो और ब्याज कवरेज अनुपात एक से कम हो; द्वारा धारित कर्ज की प्रवृत्ति-

यों का अध्ययन करने के लिए 1,707 समान विनिर्माण कंपनियों के विगत पांच वर्षों के वार्षिक वित्तीय विवरणों का विश्लेषण किया गया। ऋणात्मक निवल मालियत वाली कंपनियों को भी कमजोर माना गया। 2012-13 से 2015-16 के बीच कमजोर विनिर्माण कंपनियों की संख्या में निरंतर वृद्धि हुई। इन कंपनियों द्वारा धारित कर्ज ('जोखिमपूर्ण कर्ज') में विगत पांच वर्षों के दौरान वृद्धि का रुझान देखा गया, जिसमें 2014-15 में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई। 1,707 कंपनियों के कुल कर्ज में 'जोखिमपूर्ण कर्ज' के हिस्से में वृद्धि हुई और विगत दो वर्षों में यह लगभग 30 प्रतिशत रहा, जिससे हाल के वर्षों में विनिर्माण क्षेत्र के रिस्क प्रोफाइल में विकृति आने का संकेत मिला। 'लोहा एवं इस्पात' कंपनियों का रिस्क प्रोफाइल अधिक चिंताजनक था, जिसके अंतर्गत 2015-16 में 142 कंपनियों के कुल कर्ज में 'जोखिमपूर्ण कर्ज' का हिस्सा लगभग 58.7 प्रतिशत रहा। 'लोहा एवं इस्पात' कंपनियों को छोड़कर, शेष कंपनियों के रिस्क प्रोफाइल में सुधार हुआ, जिसके अंतर्गत

सारणी 5 : जोखिम आधारित ऋण - सूचीबद्ध विनिर्माण कंपनियों

क्षेत्र	विनिर्माण				'लोहा एवं इस्पात'				'लोहा एवं इस्पात'को छोड़कर			
	1,707				142				1,565			
कंपनियों की संख्या	संवर्द्धनशील कंपनियों की संख्या	जोखिम मूल्य (₹ बिलियन)	कुल ऋण (₹ बिलियन)	ऋण जोखिम का हिस्सा (प्रतिशत)	संवर्द्धनशील कंपनियों की संख्या	जोखिम मूल्य (₹ बिलियन)	कुल ऋण (₹ बिलियन)	ऋण जोखिम का हिस्सा (प्रतिशत)	संवर्द्धनशील कंपनियों की संख्या	जोखिम मूल्य (₹ बिलियन)	कुल ऋण (₹ बिलियन)	ऋण जोखिम का हिस्सा (प्रतिशत)
अवधि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
2011-12	224	588	4,959	11.9	19	202	1,222	16.5	205	386	3,737	10.3
2012-13	215	681	5,604	12.1	23	234	1,511	15.5	192	447	4,093	10.9
2013-14	249	1,081	6,428	16.8	26	354	1,773	19.9	223	728	4,655	15.6
2014-15	279	2,033	6,792	29.9	37	999	1,929	51.8	242	1,034	4,863	21.3
2015-16	283	2,104	6,914	30.4	43	1,182	2,014	58.7	240	923	4,899	18.8

2015-16 में 1,565 कंपनियों के कुल कर्ज में 'जोखिमपूर्ण कर्ज' का हिस्सा 18.8 प्रतिशत रहा (सारणी 5)।

3.4 इन कंपनियों (भाग 3.3 में उल्लिखित) द्वारा जुटाई गई निधियों के स्रोतों से पता चलता है कि वर्ष 2015-16 में बाह्य स्रोतों (शेयर पूंजी एवं संग्रह किए गए अधिशेष के अलावा) का हिस्सा पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ा है, जबकि राशि के संबंध में दोनों स्रोतों के हिस्से में पिछले दो वर्षों के दौरान गिरावट

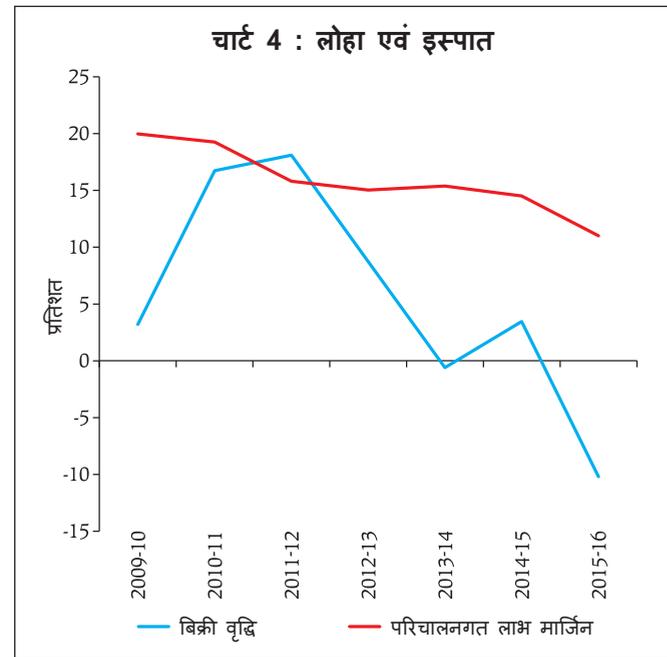
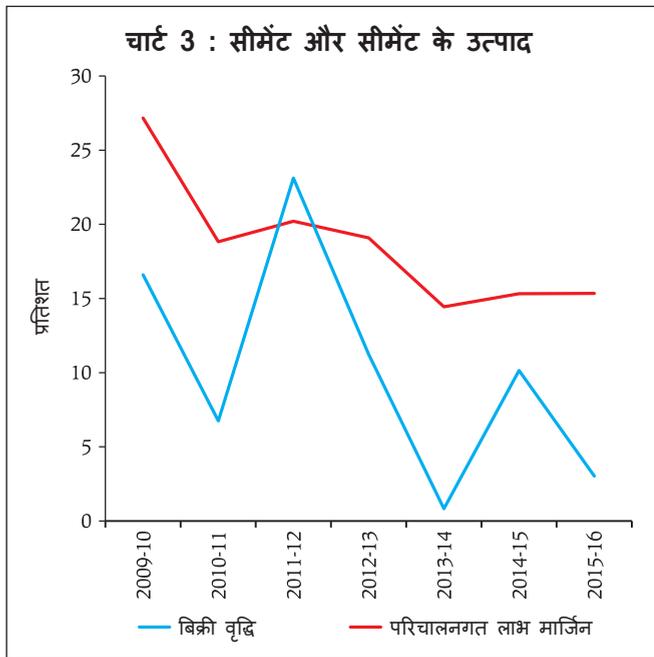
देखी गई है। 2014-15 तक निधियों का प्रमुख स्रोत बनी रहने वाली दीर्घावधि उधारियां ऋणात्मक हो गई थीं जो 2015-16 में विनिर्माण क्षेत्र द्वारा शुरू की प्रक्रिया का लाभ न उठा पाने को दर्शाता है। इसी प्रकार व्यापार उधार के जरिए उपलब्ध निधि में भी पिछले दो वर्षों में गिरावट आई (सारणी 6ए)। निधियों के उपयोग संबंधी सारणी से पता चलता है कि जहां 2015-16 में सकल अचल आस्ति-निर्माण में बहुत अधिक सुधार नहीं हुआ, वहीं गैर-चालू आस्तियों में अधिक राशि निवेश की गई। इनवेंटी-स्थिति में की गई कमी विनिर्माण कंपनियों द्वारा किए गए निधि उपयोग की एक अन्य प्रमुख विशेषता थी (सारणी 6बी)।

सारणी 6ए: निधियों के स्रोत : सूचीबद्ध विनिर्माण कंपनियों (₹ बिलियन)

निधियों के स्रोत	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
मद	1	2	3	4
आंतरिक स्रोत	831	707	840	703
ए. शेयर पूंजी	30	20	42	36
बी. रिजर्व और अधिशेष	801	686	798	667
बाह्य स्रोत	1,115	1,170	718	793
सी. शेयर वॉरंट के बदले प्राप्त मुद्रा	1	-7	1	-1
डी. आबंटन के लिए लंबित शेयर आवेदन मुद्रा	2	-6	15	-21
इ. चालू से इतर देयताएं	430	569	491	-37
1. दीर्घावधि उधारियां	368	547	421	-62
2. आस्थगित कर देयताएं (निवल)	44	-15	48	-1
3. अन्य दीर्घावधि देयताएं	6	4	-32	15
4. दीर्घावधि प्रावधान	13	33	54	10
एफ. चालू देयताएं	690	615	198	862
5. अल्पावधि उधारियां	278	277	-57	183
6. व्यापारिक देय राशि	245	222	60	60
7. अन्य चालू देयताएं	141	103	150	679
8. अल्पावधि प्रावधान	27	13	46	-61
जी. अन्य इक्विटी एवं देयताएं	-8	0	12	-11
9. कुल	1,946	1,877	1,558	1,496

सारणी 6बी: निधियों का उपयोग : सूचीबद्ध विनिर्माण कंपनियों (₹ बिलियन)

निधियों का उपयोग	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
मद	1	2	3	4
एच. चालू से इतर आस्तियां	1,097	1,645	1,192	1,631
10. सकल स्थायी आस्तियां	818	945	827	832
11. चालू से इतर निवेश	120	534	373	809
12. दीर्घावधि ऋण और अग्रिम	139	107	-13	-36
13. आस्थगित कर आस्तियां (निवल)	-3	14	7	17
14. चालू से इतर अन्य आस्तियां	23	45	-1	8
आई. चालू आस्तियां	849	231	360	-130
15. चालू निवेश	157	211	192	-19
16. माल सूची	311	112	110	-175
17. व्यापार प्राप्तियां	201	115	43	154
18. नकदी और नकदी समकक्ष	44	-292	-101	-19
19. अल्पावधि ऋण और अग्रिम	104	5	115	-64
20. अन्य चालू आस्तियां	32	79	0	-7
जे. अन्य आस्तियां	0	0	7	-4
21. कुल	1,946	1,877	1,558	1,496



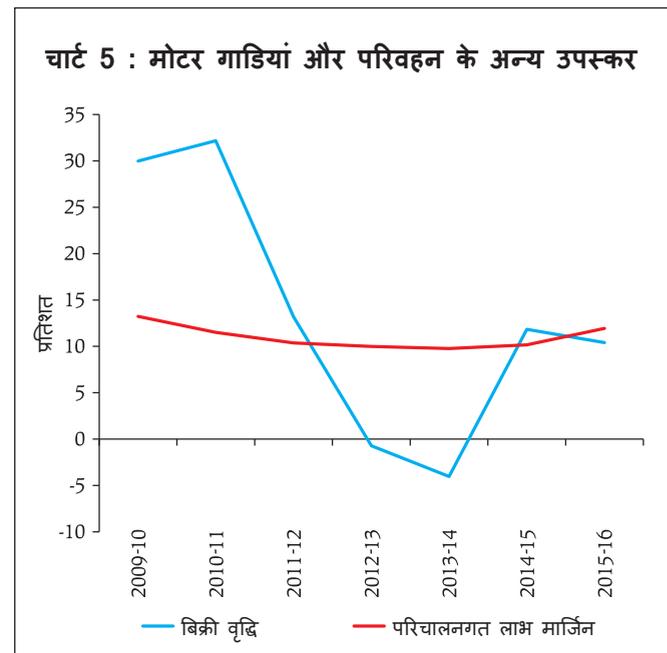
4. अधिकांश उद्योगों में उच्च लाभप्रदता

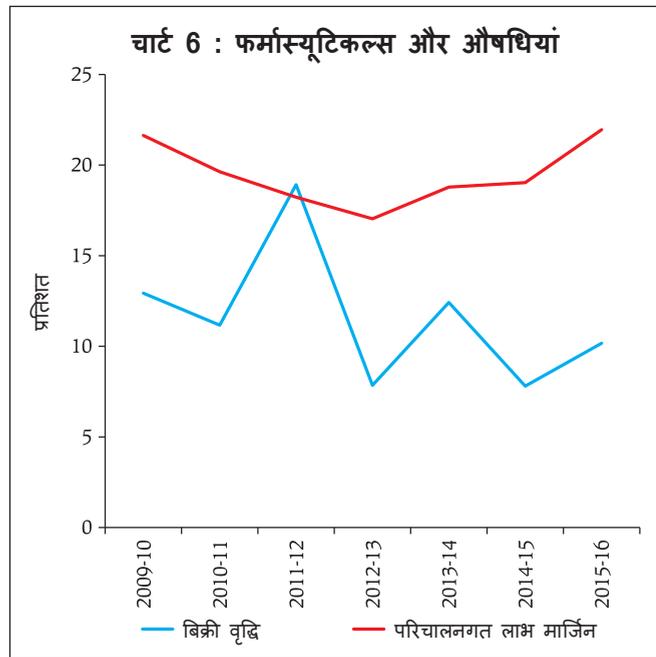
4.1 अधिकांश उद्योगों की बिक्री वृद्धि उनकी दीर्घावधि (सात वर्ष) के औसत की तुलना में कम थी, किंतु कुछ बड़े उद्योगों में सुधार के संकेत दिखे गए हैं। अधिकांश बड़े उद्योगों की परिचालनगत लाभ मार्जिन उनके दीर्घावधि औसतों से अधिक रही।

4.2 बुनियादी वस्तुओं के क्षेत्र में बड़े उद्योगों की बिक्री वृद्धि में 'सीमेंट एवं सीमेंट से बने उत्पादों' में गिरावट आई। 2014-15 में दर्ज की गई महत्वपूर्ण बहाली 2015-16 में नहीं बनी रह सकी। परिचालनगत लाभ मार्जिन पिछले दो वर्षों के स्तर के समान बनी रही और 2009-10 में दर्ज स्तर से काफी कम रही (चार्ट 3)। 'लोहा एवं इस्पात' उद्योग पर आउटपुट कीमतों में कमी का प्रतिकूल प्रभाव पड़ा और इसकी बिक्री में 10.2 प्रतिशत की गिरावट आई। परिचालनगत लाभ मार्जिन में भी गिरावट आई, जो 11.00 प्रतिशत के तक सात वर्ष के कम स्तर पर रही (चार्ट 4)। इस उद्योग का ब्याज कवरेज अनुपात भी घटकर एक से नीचे चला गया जबकि जोखिम ऋण पिछले वर्ष की तुलना में 2015-16 में 18.3 प्रतिशत बढ़ गया (सारणी 5)। 'सीमेंट एवं सीमेंट से बने उत्पादों' एवं 'लोहा एवं स्टील' उद्योगों दोनों के लिए निवेश संबंधी गतिविधियों के निवल नकदी बहिर्वाह² में 2015-16 के दौरान गिरावट दर्ज की गई।

² नकदी प्रवाह विवरण सभी चुनिंदा कंपनियों के लिए उपलब्ध नहीं था।

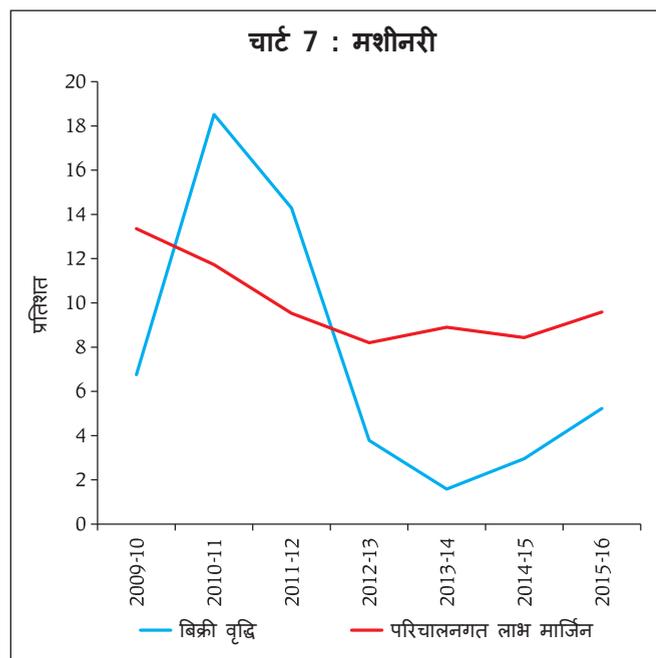
4.3 उपभोक्ता वस्तु क्षेत्र में, 'मोटर वाहन एवं अन्य परिवहन उपस्कर' और 'औषधि एवं चिकित्सा' उद्योगों में काफी अधिक बिक्री वृद्धि दर्ज की गई। 'मोटर वाहन एवं अन्य परिवहन उपस्कर' के लिए परिचालनगत लाभ मार्जिन 2015-16 में छह वर्षों के उच्च स्तर पर रही (चार्ट 5)। इस उद्योग को कंपनियों ने भी वर्ष 2014-15 की तुलना में 2015-16 के दौरान परिचालनगत गतिविधि से प्राप्त निवल नकदी प्रवाह में काफी वृद्धि दर्ज की है। 'औषधि एवं चिकित्सा' उद्योग में 2015-16





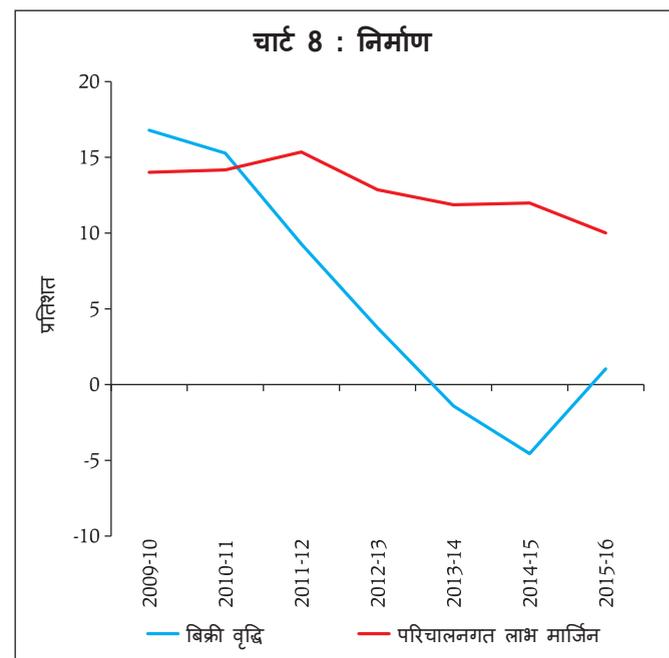
के दौरान परिचालनगत लाभ मार्जिन सात वर्ष के उच्च स्तर अर्थात् 22.0 प्रतिशत रही (चार्ट 6)।

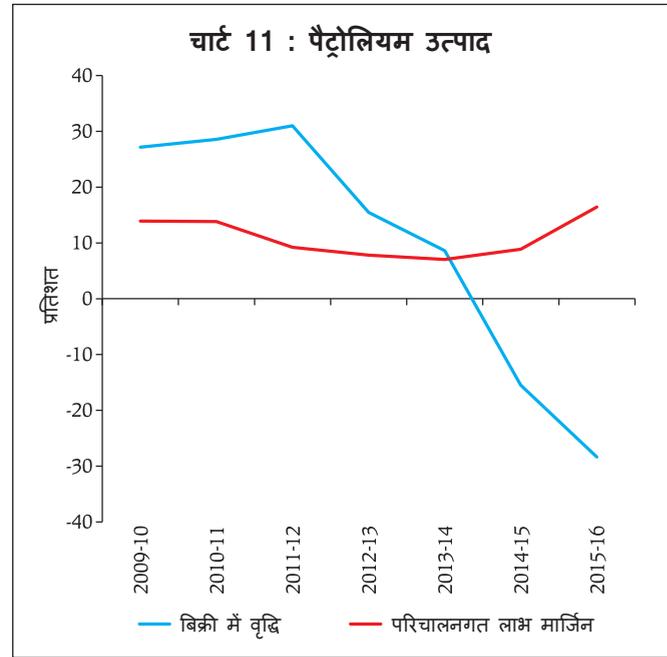
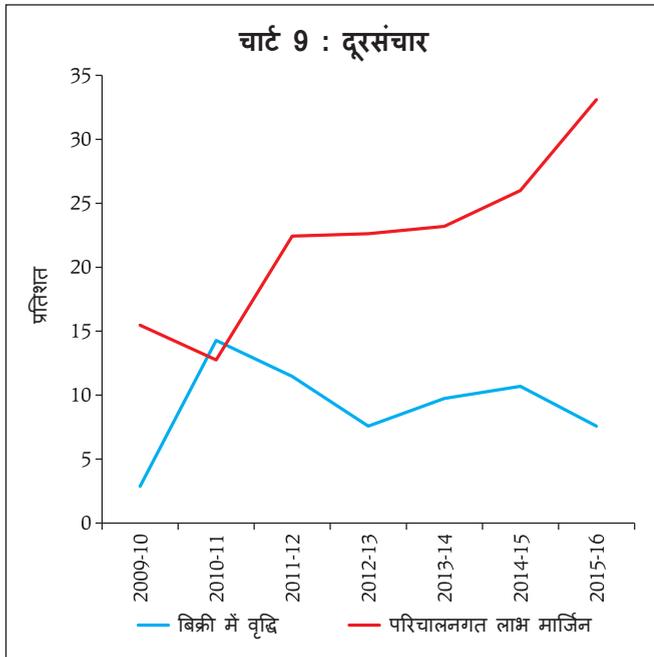
4.4 पूंजीगत वस्तुओं के क्षेत्र में, 2015-16 के दौरान मशीन उद्योगों की बिक्री वृद्धि में कुछ सुधार देखा गया जो कि चार वर्षों के उच्च स्तर पर था। इस उद्योग के लिए परिचालनगत लाभ मार्जिन में भी सुधार हुआ (चार्ट 7)।



4.5 लगातार पिछले दो वर्षों से गिरावट के बाद 'निर्माण उद्योगों' में अनुकूल वृद्धि देखी गई। तथापि, इस उद्योग के लिए परिचालनगत मार्जिन में गिरावट आई (चार्ट 8)। इन उद्योगों में कुल उधारियों में 11.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई और 2015-16 में 151 कंपनियों का ब्याज कवरेज अनुपात और कुल ऋण में जोखिम आधारित ऋण के हिस्सा के अनुसार अतिसंवेदनशीलता बढ़ गई।

4.6 यद्यपि, दूरसंचार उद्योग की बिक्री वृद्धि में गिरावट आई, किंतु इस उद्योग की परिचालनगत लाभ मार्जिन काफी बढ़कर 33.1 प्रतिशत हो गई जो कि 2015-16 में बड़ी उद्योगों में सबसे अधिक थी (चार्ट 9)। 2015-16 के दौरान इस उद्योग की 12 कंपनियां, जिनका पिछले पांच साल का तुलनपत्र उपलब्ध था, की कुल उधारियों में 60 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। इसी तरह से ब्याज लाभ में 37.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उपलब्ध नकदी प्रवाह विवरण वित्त गतिविधि से नकदी के निवल अंतर्वाह को दर्शाता है। तथापि, लाभप्रदता में वृद्धि के कारण ब्याज कवरेज अनुपात में केवल मामूली वृद्धि हुई। गैर आईटी सेवा क्षेत्र में अन्य उद्योगों में लगातार 3 वर्षों की अवरुद्ध बिक्री के बाद यातायात और भंडार उद्योग में बिक्री वृद्धि और लाभप्रदता के संबंध में काफी सुधार देखा गया (चार्ट 10)।





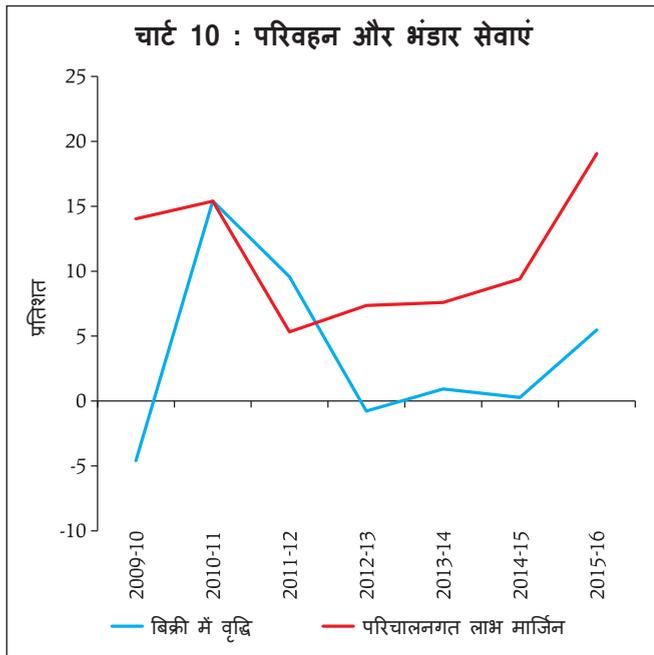
4.7 2015-16 में कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में आई गिरावट का प्रभाव 'पेट्रोलियम उत्पाद' उद्योग में बहुत अधिक पड़ा। पेट्रोलियम उत्पाद उद्योगों की बिक्री में तेज गिरावट का सामना करना पड़ा, किंतु व्यय में उच्च कमी का फायदा भी इन उद्योगों को मिला, जिससे परिचालनगत लाभ मार्जिन बहुत अधिक दर्ज की गई (चार्ट 11)। इसके अतिरिक्त, कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में आई गिरावट का लाभ पूरी तरह से

घरेलू उपभोक्ताओं को नहीं दिया गया, जिससे इस उद्योग को भारी लाभ हुआ।

5. लगातार गिरावट के पश्चात 2015-16 की चौथी तिमाही में बिक्री वृद्धि में सुधार देखा गया

5.1 2,139 गैर सरकारी गौर वित्तीय कंपनियों के समान समूह के तिमाही आय विवरण के विश्लेषण से पता चलता है कि मांग स्थिति में सुधार हुआ, क्योंकि लगातार चार तिमाहियों में कमी के बाद 2015-16 की चौथी तिमाही में सकारात्मक बिक्री वृद्धि दर्ज की गई। व्यय में लगातार कमी के कारण यद्यपि बहुत कम दर, इन कंपनियों ने 2015-16 की चौथी तिमाही में 18.4 की मजबूत परिचालनगत लाभ वृद्धि दर्ज की जो कि पिछली 8 तिमाहियों में सबसे अधिक थी। सांकेतिक जीपीए वृद्धि में पिछली छह तिमाहियों की तुलना में लगातार वृद्धि हुई (सारणी 7)।

5.2 विनिर्माण क्षेत्र में ब्याज व्यय राशि 2015-16 की चौथी तिमाही में लगातार दूसरी तिमाही के लिए कम रही, जबकि गैर आईटी सेवा क्षेत्र के लिए इसमें काफी वृद्धि देखी गई। इसका मुख्य कारण 'दूर संचार' उद्योग द्वारा भारी मात्रा में लिया गया उधार था। आईटी क्षेत्र में 2015-16 की चौथी तिमाही में काफी सुधार दर्ज किया गया; यह सुधार पिछली तिमाहियों के दौरान बिक्री वृद्धि, परिचालनगत लाभ और



सारणी 7: 2014-15 और 2015-16 की तिमाहियों के दौरान: सूचीबद्ध गैर सरकारी गैर वित्तीय कंपनियों का कार्यनिष्पादन

(प्रतिशत)

मद	ति1वि15	ति2वि15	ति3वि15	ति4वि15	ति1वि16	ति2वि16	ति3वि16	ति4वि16
	1	2	3	4	5	6	7	8
कंपनियों की संख्या	2,139							
वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि								
बिक्री	8.5	5.3	0.5	-3.5	-1.7	-3.9	-2.3	3.3
उत्पादन मूल्य	8.9	5.8	1.1	-4.0	-1.9	-4.9	-3.0	2.0
योजित सकल मूल्य (जीवीए)	11.3	11.3	2.7	6.2	6.8	7.3	9.2	10.4
व्यय, जिसमें से	7.9	5.1	1.3	-4.7	-3.1	-7.2	-5.3	-0.7
परिचालनगत लाभ	15.6	9.7	-0.2	0.3	4.8	8.8	11.2	18.4
अन्य आय	-2.7	28.4	-4.1	6.2	4.9	-3.5	-3.1	-9.9
ईबीआईटीडीए	12.4	13.0	-0.8	1.3	4.8	6.5	8.9	13.1
मूल्यहास	8.3	5.1	7.4	4.1	5.0	4.8	7.1	11.9
सकल लाभ (ईबीआईटी)	13.5	15.3	-3.1	0.6	4.8	6.9	9.5	13.4
ब्याज	2.5	5.5	9.7	9.7	13.0	9.1	2.7	6.4
निवल लाभ	21.0	27.2	-23.6	-20.5	-2.6	6.5	12.7	11.1
अनुपात								
बिक्री की तुलना में कच्चे माल की लागत	54.3	55.2	52.4	50.6	49.8	49.4	48.4	47.4
बिक्री की तुलना में स्टाफ लागत	8.4	8.5	8.8	9.3	9.5	9.7	9.9	9.6
ब्याज बोझ	25.6	26.3	30.3	27.9	27.5	27.0	28.9	26.8
ईबीटी की तुलना में कर प्रावधान	24.9	23.0	23.6	23.4	25.4	24.4	25.2	22.8
निवल लाभ की तुलना में अन्य आय	35.0	45.3	46.7	49.6	37.4	40.3	40.9	40.3
बिक्री की तुलना में ब्याज	3.5	3.6	3.8	3.8	4.0	4.1	4.0	3.9
ब्याज कवरेज (टाइम्स)	3.9	3.8	3.3	3.6	3.6	3.7	3.5	3.7
बिक्री की तुलना में परिचालनगत लाभ	14.7	14.0	13.7	14.3	15.8	15.9	15.6	16.0
बिक्री की तुलना में ईबीआईटीडीए	17.3	17.5	16.3	17.5	18.6	19.3	18.2	18.8
बिक्री की तुलना में ईबीआईटी	13.6	13.8	12.5	13.6	14.7	15.3	14.0	14.6
बिक्री की तुलना में निवल लाभ	7.5	7.6	5.6	6.4	7.5	8.4	6.2	7.0

निवल लाभ में दर्ज किया गया था (विस्तृत विवरण बैंक की वेबसाइट में जारी किए गए तिमाही आंकड़ों में उपलब्ध हैं)।

5.3 अभी तक 2016-17 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2016) के उपलब्ध परिणामों से पता चलता है कि बिक्री वृद्धि 2015-16 की चौथी तिमाही के समग्र स्तर और विनिर्माण क्षेत्र

की तुलना में थोड़ी कम रही। 2016-17 की पहली तिमाही में पिछली तिमाही की तुलना में समग्र स्तर पर लाभप्रदता अनुपात में काफी सुधार देखा गया है। आने वाली तिमाहियों में मांग-स्थिति में सुधार निजी कॉर्पोरेट क्षेत्र की लाभप्रदता के लिए मददगार साबित होगा, क्योंकि कच्ची सामग्री पर कम व्यय से हुआ लाभ आगे समाप्त हो सकता है।